>

Title: Regarding caste-based census in the country.

श्री शरद यादव (मधेपुरा): मैं आपकी बात भी उठाऊंगा, मुझे बोलने दीजिए। ...(व्यवधान)

अध्यक्ष जी, जो मसला अभी सदन में चला हुआ है, आज एग्रीकल्चर मिनिस्टर यहाँ नहीं हैं। इनका इतना ही कहना है कि लाखों टन अनाज कैसे उठे जिससे कि आने वाली फसल का स्टोरेज हो सके। लेकिन मैं एक दूसरा मामला उठाने के लिए खड़ा हुआ हूँ।

अध्यक्ष जी, इस संसद में पाँच या छः बार जाति जनगणना का मामला उठा। सारे सदन ने आम सहमति और आम राय से सरकार के सामने यह सवाल रखा। सरकार ने भी देखा, प्रधान मंत्री भी बोले, सदन के नेता प्रणव जी भी बोले। हमें दो-तीन बार बुलाकर कहा कि हो जाएगा, हो जाएगा। आज इस सत्र का अंतिम दिन है। फिर इसके बाद आपने पत्र लिखा। पत्र के बाद भी सारी पार्टियों ने कह दिया - बीजेपी और लेफ्ट से लेकर सारी पार्टियों ने कह दिया, इसके बाद भी आपकी पाँच या छः कैबिनेट की बैठक हो गई। देश में बेचैनी है। समय भाग रहा है, लेकिन इसके बावजूद भी आपने स्वयं देखा है कि यहाँ प्रधान मंत्री जी ने कहा, यहाँ पूरी पार्टियों से दो बार आपने राय ले ली, इसके बाद भी इस मामले में अभी तक कोई रास्ता नहीं निकला। ज़रा सा मैटर था, कोई बड़ी बात नहीं थी। आप हैडकाउंट में इसको डाल दें और इसका जवाब सरकार को तत्काल देना चाहिए, नहीं तो यह मामला बाहर बहुत बेचैनी के साथ है। इस बेचैनी को आपको दूर करना चाहिए और आपको साफ़-साफ़ आकर साफ़-साफ़ बात करनी चाहिए, यही मैं कहना चाहता हूँ।

अध्यक्ष महोदया : आप शांत हो जाइए।

â€¦(व्यवधान)

श्री मुलायम सिंह यादव (मैनपुरी): अध्यक्ष महोदया, मैं आपका बहुत कृतज्ञ हूँ। मैं कोई बड़ा भाषण नहीं दूँगा। अभी माननीय शरद यादव जी ने मामला उठाया। मुझे आश्चर्य इस बात का है कि जब सदन की आम सहमति हो गई तो कोई ऐसा दल नहीं था जिसने समर्थन न किया हो कि जाति आधार पर जनगणना होनी चाहिए। कोई भी दल ऐसा नहीं था। उसके बाद सदन के नेता ने भी कहा, और यह सही है कि सभी दल के नेताओं को बुलाया और मुख्य तौर पर हमको बुलाया अपने ऑफिस में और कहा कि आपकी बात हम मानेंगे और जल्दी से जल्दी जाति आधार पर जनगणना होगी। ताज्जुब तब होता है जब स्वयं प्रधान मंत्री जी ने खड़े होकर कहा कि मैं इस सवाल को कैबिनेट में ले जाऊँगा और इस पर हम कार्रवाई करेंगे। अब घुमा-फिराकर कुछ और कहने लगे। प्रधान मंत्री और सदन के नेता के कहने के बाद भी और पूरे सदन की आम सहमति के बाद भी अभी जनगणना बहुत तेज़ी से शुरू करा दी।

अभी जनगणना और भी तेजी से शुरू करवा दी है और जो बहाना बनाते थे कि इसमें बहुत देर लगेगी। अधिकारियों से मेरी बात हुई है और अधिकारियों ने साफ कहा है कि इसमें कोई दिक्कत नहीं है, हमें सिर्फ एक खाना बढ़ाना पड़ेगा, उसमें जाति लिख देंगे, आगे बैकवर्ड, अपरकॉस्ट या शडयूलकॉस्ट है, वह लिख देंगे। आखिर क्या वजह है कि सरकार के आश्वासन देने के बावजूद भी इस पर कार्यवाही नहीं हुई है और न ही जनगणना रोकी गई है, जनगणना हो रही है। आप हमें बताइए हम कहां जाएं और क्या करें? हम शांत हैं और सदन को अच्छे से चलाना चाहते हैं। यदि शांतिपूर्वक कोई सदन नहीं चलने दे रहा है, तो वह सरकार है। सरकार जायज़ बात को भी मानने को तैयार नहीं है। यदि सरकार जायज़ बात मान ले तो इस सदन में अशांति कभी नहीं होगी। हम लोगों को कभी-कभी अशोभनीय कार्य करना पड़ता है।...(व्यवधान) मैं जानता हूं। इसलिए आपकी तरफ से निर्देश चला जाए और सरकार यह बताए कि कब इसकी शुरूआत करेगी? जब प्रधानमंत्री जी एवं नेता सदन ने आश्वासन दिया और पूरे सदन की आम सहमति के बाद भी अभी तक जातिगत आधार पर जनगणना क्यों नहीं हो रही है?...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : आप इससे अपने को एसोसिएट कर लीजिए। इस प्रकार से तो बहस शुरू हो जाएगी और सभी इस पर बोलना चाहते हैं।

â€¦(व्यवधान)

श्री गोपीनाथ मुंडे (बीड): महोदया, मैं केवल एक मिनट लूंगा।...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : बोलिए, लेकिन जल्दी।

श्री गोपीनाथ मुंडे : अध्यक्ष महोदया, मैं सदन का ज्यादा समय नहीं लेना चाहता हूं। जातिगत आधार पर जनगणना करवाने की जो मांग थी, उस पर प्रधानमंत्री जी ने स्वयं यहां आश्वासन दिया था कि कैबिनेट में फैसला होगा। लेकिन बाद में सभी पार्टियों की राय क्यों मंगवाई गई? उसके बाद सदन के नेता माननीय प्रणव मुखर्जी ने भी सदन में वायदा किया था कि इस सैशन में यह फैसला करेंगे। जनगणना शुरू हो गई। जनगणना में जो आपकी मांग है, उसको एकमोडेट किया जाएगा, ऐसा स्पैसिफिक आश्वासन देने के बाद भी सरकार का इरादा क्या है?...(व्यवधान) सरकार का आखिर क्या इरादा है, समझ में नहीं आ रहा है?...(व्यवधान) मेरी मांग है कि सरकार इस बारे में आज सदन में बयान दे। यही मेरी मांग है।...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : आप लोग बैठ जाइए।

â€¦(व्यवधान)

डॉ. रतन सिंह अजनाला : मैडम, जब सुप्रीम कोर्ट कह रही है कि उठा लो, तो क्यों नहीं उठा रहे हैं? सरकार को उठाना चाहिए।...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : अपनी बात आपने कह दी है, अब आप बैठ जाइए।

â€¦(व्यवधान)

डॉ. रतन सिंह अजनाला : हमें जवाब चाहिए कि वे कब तक उठाएंगे?...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : इतना जोर से मत बोलिए। आप लोग बैठ जाइए।

â€¦(व्यवधान)

डॉ. रतन सिंह अजनाला : हमें सरकार से जवाब चाहिए कि कब तक उठाएंगे?...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : आप लोग बैठ जाइए।

â€¦(व्यवधान)

MADAM SPEAKER: Your Calling Attention is over. Please take your seat.

...(*Interruptions*)

डॉ. रतन सिंह अजनाला : सुप्रीम कोर्ट कह रही है कि उठाना चाहिए और गरीबों को दे दो। हम सरकार से जवाब चाहते हैं कि यह कब तक उठाएंगे?...(व्यवधान)

MADAM SPEAKER: Please let others speak.

...(*Interruptions*)

12.40 hrs.

At this stage Dr. Rattan Singh Ajnala and some other hon. Members came and stood on the floor near the Table

â€¦(व्यवधान)

श्री दारा सिंह चौहान (घोसी): अध्यक्ष महोदया, मैं जानता हूं कि आज सत्र का आखिरी दिन है, हम समझते हैं कि सरकार की तरफ से बहुत महत्वपूर्ण वक्तव्य आने वाले हैं। ...(व्यवधान) लेकिन इस हाउस में जाति जनगणना का मामला बार-बार उठा।...(व्यवधान) सदन के नेता और इस देश के प्रधान मंत्री जी ने इस बात पर आश्वासन दिया कि जाति जनगणना होगी।...(व्यवधान) फिर क्या कारण है, इसमें कौन सी परेशानी है? ...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया, मैं आपके माध्यम से सदन में कहना चाहता हूं कि सदन के नेता, प्रधान मंत्री जी, सरकार ने आश्वासन दिया है।...(व्यवधान) आज देश की जनता जानना चाहती है कि सत्र के आखिरी दिन में सरकार क्या आश्वासन देना चाहती है? इसमें कौन सा गुनाह है? मैं चाहता हूं कि जो जाति जनगणना है, सदन के नेता और प्रधान मंत्री जी ने जो आश्वासन दिया है तो निश्चित रूप से जाति जनगणना होनी चाहिए। ...(व्यवधान) हम तो किसी एक जाति की नहीं, सब की चाहते हैं।...(व्यवधान)

12.41 hrs.

At this stage Dr. Rattan Singh Ajnala and some other hon. Members went back to their seats.

THE MINISTER OF FINANCE (SHRI PRANAB MUKHERJEE): Madam, in respect of the Caste Census, as the hon. Members are aware, in the last Session it was suggested and thereafter a Group of Ministers was constituted. I wrote to all the Political Parties. Most of them have responded and responded positively that Caste should be encompassed in the Census Report. Thereafter, the Group of Ministers has decided that it should and the modality would be house enumeration as it was done. But here it will be limited and information will be only collected in respect of the Caste and thereafter, the other biometric features and other things will go on parallel.

The only thing is that we have not yet announced it because this is not an Empowered Group of Ministers, it was Group of Ministers, and so this decision of the Group of Ministers will have to be endorsed by the Cabinet. I do hope that in the next meeting of the Cabinet it will be endorsed and thereafter all other necessary action will be taken. So, there is no apprehension in respect of that because every Political Party has agreed and they have sent their written communication to it and the Government has more or less decided. It is a question of formalities...(*Interruptions*)

MADAM SPEAKER: Please give chance to someone else to speak.

...(*Interruptions*)

अध्यक्ष महोदया: श्री राजा राम पाल जी, आप बोलिए।

â€¦(व्यवधान)

MADAM SPEAKER: Please sit down.

...(*Interruptions*)

अध्यक्ष महोदया: जीरो ऑवर में लोगों को बोलने दीजिए।

â€¦(व्यवधान)